कारण दरें संशोधित की जाती हैं। वृद्धि इस प्रकार है:-

कालोनी	श्रेणी	दरें	
		1992-93	1993-94
1. द्वारका	सी.जी.एच.एस.	1650.65	1861.65
	वैकल्पिक प्लाट आवास योजनाएं	1650.65	1845.90
	एस.एफ.एस.	1375.54	1554.37
	एल.आई.जी.	825.32	930.85
	ई डब्ल्यू एस	550.00	620.55
	औद्योगिक	1375.54	2156.17
		(आन्तरिक विकास को छोड़कर)	(आन्तरिक विकास सहित)
	जे० जे० आर०		
	(आन्तरिक विकास को छोड़कर)	550.22	620.55
2. रोहिणी			
फेज-III	वैकल्पिक प्लाट	1650.65 (अधिसूचना के लिए अनुमंसित)	1806.26
	एम.आई.जी. आवास	1380.00	1501.95
	एल.आई.जी. आवास	830.00	901.17
	जे.जे.आर.	—	600.78

(ग) सरकार प्लाट अथवा बने बनाये फ्लैट कतिपय सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित किये गये मूल्यों पर उपलब्ध करती है और इस प्रकार साधारणतः कुछ हद तक भूमि मूल्यों पर नियंत्रण होता है।

नेहरू रोजगार योजना का क्रियान्वयन

1703. श्री **अजीतजोगी :**

श्री रामगोपाल यादव :

क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेहरू रोजगार योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है ;

(ख) क्या सरकार ने इस योजना के शुरू होने से लेकर अब तक के इसके कार्यान्वयन का विश्लेषण किया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार, विशेष रूप से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में, ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) : (क) नेहरू रोजगार योजना शहरी क्षेत्रों में रहनेवाले अल्प-रोजगार तथा बेरोजगार निर्धनों के लिए रोजगार की व्यवस्था करने हेतु तैयार की गई है। यह रोजगार दो प्रकार का है :—एक, स्वरोजगार उद्यमों की स्थापना से संबंधित है तथा दूसरा, शहरी स्थानीय निकायों के

निम्न आय परिवेश में आश्रय उन्नयन निर्माण कार्यों तथा सार्वजनिक परिसंपत्तियों के सृजन के माध्यम से मजदूरी रोजगार की व्यवस्था से संबंधित है।

(ख) दिल्ली में बैठकें आयोजित करके तथा राज्य मुख्यालयों में विचार-विमर्श करके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों सहित सम्पूर्ण देश में नेहरू रोजगार योजना के कार्यान्वयन की आवर्ती रूप से पुनरीक्षा की जाती है ताकि लक्ष्यों की प्राप्ति का मूल्यांकन किया जा सके तथा कमियों, यदि कोई हों, को दूर करने के लिए निवास उपाय किए जा सकें। पिछली पुनरीक्षा हाल ही में जुलाई, 1994 में की गई है।

(ग) 30-6-1994 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश सहित राज्य-वार वास्तविक उपलब्धियां संलग्न विवरण में दी गई हैं।

विवरण

(30-6-1994 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य/संघशासित क्षेत्र का नाम	शहरी लघु उद्यम योजना के अन्तर्गत सहायता प्राप्त लाभभोगियों की संख्या	उत्पन्न श्रम दिवस शहरी वेतन, रोजगार योजना	(आंकड़े लाख में) शहरी आवास एवं आश्रय उन्नयन योजना
1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	67,093	15.66	25.32
2	बिहार	7,738	41.16	0.68
3	गुजरात	11,515	11.50	0.11
4	हरियाणा	12,193	3.66	—
5	कर्नाटक	30,182	35.06	10.62
6	केरल	18,166	8.49	38.43
7	मध्य प्रदेश	84,004	32.34	—
8	महाराष्ट्र	57,826	30.18	—
9	उड़ीसा	12,165	9.57	1.43
10	पंजाब	15,779	4.44	2.51
11	राजस्थान	22,627	14.23	—
12	तमिलनाडु	64,306	32.56	51.57
13	उत्तर प्रदेश	1,31,420	89.14	—
14	पश्चिम बंगाल	29,809	18.67	—
15	गोआ	440	0.46	—
16	अरूणाचल प्रदेश	—	—	—
17	असम	3,996	3.95	0.05
18	हिमाचल प्रदेश	1,276	2.48	—
19	जम्मू तथा कश्मीर	1,786	2.08	0.63
20	मणिपुर	5,186	2.31	0.19

1 2	3	4	5
21 मेघालय	400	0.66	—
22 मिजोरम	—	2.68	—
23 नागालैंड	—	—	—
24 सिक्किम	532	0.73	—
25 त्रिपुरा	513	1.46	—
26 अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह	178	0.18	—
27 चंडीगढ़	199	0.36	—
28 दादर तथा नागर हवेली	110	0.12	—
29 दमण तथा द्वीव	—	0.16	—
30 पांडिचेरी	1,005	0.94	—
31 दिल्ली	1,372	—	—
योग	5,81,816	365.23	131.54

Construction of Buildings, roads and bridges by NBCC in Gujarat and Maharashtra

1704. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the names of buildings, roads and bridges in Gujarat and Maharashtra which are being constructed by National Building Construction Corporation during the last three years;

(b) what are the details of expenditure incurred in such works since January 1990, year-wise; and

(c) what are the reasons for delay in completing the above works?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) to (c) Names of buildings, roads and bridges which are being constructed by the National Buildings Construction Corporation Ltd. in Gujarat and Maharashtra, year-wise details of expenditure incurred on such works since January, 1990 and reasons for delay are indicated below:

(a) Name of Buildings, roads and bridges in Gujarat & Maharashtra which are being constructed by NBCC during the last three years	(b) Year-wise expenditure incurred (value of work done) since January, 1990 (Rs. in lakhs)					Remarks
	1990	1991	1992	1993	1994 upto June	
GUJARAT						
1. Const. of 12 Road over bridges and 7 under passes on Ahmedabad-Vadodara Expressway (Contract-III)	151.40	166.00	267.46	62.39	22.44	Completed